श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 63, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार, 8 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

निगम बोर्ड की बैठक में सपाइयों ने किया हंगामा, सदन का बहिष्कार किया

बैठक शुरू होते ही सपा के जियाउल इस्लाम ने पार्षद वरीयता के काम न होने पर जताई नाराजगी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर। नगर निगम सदन की 15वीं बैठक में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। वर्चुअल आयोजित होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम में विपक्षी दलों के पार्षदों को बुलाए जाने का मुद्दा सपाइयों ने उठाया और सदन का बहिष्कार किया। वार्डों में काम न होने पर भाजपा के पार्षदों ने भी सवाल उठाए।

नगर निगम सदन की बैठक पहली बार एनेक्सी भवन में आयोजित की गई। बैठक शुरू होते ही सपा के जियाउल इस्लाम ने पार्षद वरीयता के काम न होने पर नाराजगी जताई और नगर आयुक्त से तत्काल जवाब देने को कहा। नगर आयुक्त ने 18 लाख रुपये तक के कार्य कराए जाने की जानकारी दी तो कई पार्षदों ने अपने वार्ड में काम न होने पर हंगामा किया। इस पर नगर आयुक्त ने सभी वार्डों दो में पांच लाख रुपये के कार्यों की अनुमति दी। इसमें मनोनीत पार्षदों को भी पांच लाख रुपये के कार्य दिए गए। हालांकि पार्षद इससे संतुष्ट नहीं दिखे।

कृष्णा नगर वार्ड के पार्षद सबी चौहान ने 10 महीने से जलभराव और टूटी सड़कों को न बनाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वह अफसरों से शिकायत कर थक चुके हैं लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। नगर आयुक्त ने कहा कि पार्षद के आरोप गलत हैं। वह और मुख्य अभियंता वार्ड का निरीक्षण कर चुके हैं। समस्या दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व उपसभापति व राप्तीनगर के पार्षद बृजेश सिंह छोटू ने शहर के 15 पार्कों में एयरटेल कंपनी के मोबाइल टावर लगाने पर सवाल उठाए। कहा कि किन नियमों के तहत कंपनी को टावर लगाने की अनुमति दी गई है।

पार्षद चंद्रशेखर सिंह ने अपने वार्ड में तीन कार्यों को निरस्त करने का मुद्दा उठाया तो सपा के पार्षद भी उनके साथ खड़े हो गए। सपा पार्षद जियाउल इस्लाम ने कहा कि जब काम के लिए प्रस्ताव बना होगा तो जेई से लेकर नगर आयुक्त और महापौर तक के हस्ताक्षर हुए होंगे। इतनी जांच के बाद किसी प्रस्ताव को अनुमति दी जाती है लेकिन बाद में उसे क्यों निरस्त किया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि उन्होंने अपने अफसरों पर भरोसा करके फाइल पर हस्ताक्षर किए थे। बाद में पता चला कि जिन कार्यों को स्वीकृति दी गई थी वह पहले से ही ठीक हैं इसलिए इन कार्यों को निरस्त कर दिया गया। बताया कि अधिशासी अभियंता (एक्सईएन), सहायक अभियंता (एई) व अवर अभियंता (जेई)के खिलाफ कार्रवाई की शासन से संस्तुति की गई है। नगर निगम सदन की बैठक में पहली बार राज्यसभा सदस्य जयप्रकाश निषाद भी शामिल हुए। सपा के पार्षदों ने जब सदन का बहिष्कार किया तो उन्होंने भी सभी को समझाने का प्रयास किया लेकिन कोई नहीं माना।

उत्तर प्रदेश में अब घटेंगे बालू और मौरंग के दाम मानसून सीजन के बाद शुरू हो गया खनन कार्य

लखनऊ, जेएनएन। प्रदेश में जल्द ही बालू-मौरंग के दाम कम हो जाएंगे। मानसून सीजन खत्म होने के बाद प्रदेश में खनन कार्य फिर शुरू हो गया है। साथ ही प्रदेश में बालू मौरंग के करीब 200 खनन पट्टों की आवंटन प्रक्रिया चल रही है। इन सभी खदानों से बालू-मौरंग बाजार में आने के बाद इनके दाम कम हो जाएंगे। मौरंग के दाम करीब 20 रुपये व बालू के दाम 10 रुपये प्रति घनफुट तक कम होने की उम्मीद है। यूं तो हर मानसून सीजन जुलाई, अगस्त व सितंबर में खनन कार्य बंद रहता है। ऐसे में भंडारण की बालू-मौरंग ही बाजार में आती है। काला बाजारी के कारण हर साल बारिश के सीजन में दाम आसमान छूते थे। लेकिन जब से प्रदेश सरकार नई भंडारण पॉलिसी लाई है तब से

इसकी कालाबाजारी पर अंकुश लगा है। अब भंडारण की बालू-मौरंग मानसून सीजन में बाजार में निकालना जरूरी है।

इसका नतीजा यह रहा कि जहां दो साल पहले मानसून सीजन में मौरंग के दाम 150 रुपये घन फुट तक पहुंच जाते थे, वहीं इस बार मौरंग के दाम 78 रुपये घन फुट से अधिक नहीं गए। सरकार ने बालू के 109 व मौरंग के 168 बफर स्टाक के लाइसेंस दिए थे। इनमें बालू 13,24,468 घन मीटर व मौरंग 25,84,186 घन मीटर थी। भंडारण की बालू-मौरंग पर्याप्त मात्रा में बाजार में पहुंचने व मांग इतनी अधिक न होने के कारण इसके दाम इस बार नहीं बढ़े।

वहीं, मानसून खत्म होने के बाद एक अक्टूबर से प्रदेश की खदानों में खनन कार्य शुरू हो गया है। प्रदेश में बालू व मौरंग की कुल 546 खदानें हैं। बालू-मौरंग के थोक कारोबारी विजय वर्मा बताते हैं कि इस समय मौरंग के दाम 70 रुपये घन फुट हैं। कुछ ही दिनों में खदानों से आवक बढ़ जाएगी तो इसके दाम 50 रुपये घन फुट तक आने की उम्मीद है। बालू के दाम भी अभी 30 रुपये घन फुट हैं। इसके दाम भी 20 से 25 रुपये घन फुट आने की उम्मीद जताई जा रही है।

आयकर विभाग ने जयललिता की पूर्व सहयोगी शशिकला की दो हजार करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

चेन्नई, एजेंसियां। आयकर विभाग ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की सहयोगी वीके शशिकला के भतीजे वीएन सुधाकरण की करीब 11 एकड़ जमीन जब्त कर ली है। विभाग ने इसके अलावा पर्यटक स्थल ऊटी के समीप कोडनाड में शशिकला और उनके रिश्तेदारों की संपत्ति भी जब्त की है। हालांकि विभाग ने इस घटनाक्रम की पुष्टि नहीं की है।

बताया जा रहा है कि जब्त की गई संपत्ति करीब दो हजार करोड़ रुपये की है। आयकर विभाग के अनुसार, सुधाकरण की 11 एकड़ भूमि जब्त कर उसे दूसरे व्यक्ति को हस्तांतरित करने से रोक दिया गया है। प्रोविजनल जब्ती आदेश के अनुसार, सुधाकरण अगले आदेश तक इस भूमि को हस्तांतरित नहीं कर सकेंगे।

शशिकला, सुधाकरण और उनका एक अन्य रिश्तेदार इलावारसी भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद से बेंगलुरु जेल में बंद हैं। सिरुथावूर गांव में सुधाकरण की संपत्ति जब्त करने संबंधी प्रोविजनल आदेश की प्रति जयललिता के भतीजे जे दीपक और भतीजी जे दीपा को भेज दी गई है। अगस्त में आयकर विभाग ने कहा था कि शशिकला और उनके सहयोगी की 65 संपत्तियां जब्त की गई हैं। 2017 में आयकर विभाग ने शशिकला और उनके रिश्तेदारों की 187 संपत्तियों पर छापेमारी की थी।

करीब एक साल पहले वीके शशिकला से जुड़ी 1,600 करोड़ की

संपत्ति को बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया था। आयकर विभाग ने यह जानकारी दी थी। उस समय यह आरोप लगाया गया कि वीके शशिकला ने काल्पनिक नामों का इस्तेमाल कर पुराने नोटों से यह संपत्तियां खरीदी थी।

इस मामले में वीके शशिकला के 27 जनवरी, 2021 को केंद्रीय कारागार, बेंगलुरु से रिहा होने की संभावना जताई गई, जहां वह आय से अधिक अधिक संपत्ति के मामले में सजा काट रही हैं। एक आरटीआई में बेंगलुरु के केंद्रीय कारागार के अधीक्षक की प्रतिक्रिया में इस बारे में जानकारी सामने आई थी। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि शशिकला की रिहाई की संभावित तिथि भिन्न हो सकती है यदि वह पैरोल सुविधा का उपयोग करती है।

आरटीआइ कार्यकर्ता टी नरसिम्हा मूर्ति के आवेदन पर 11 सितंबर को जवाब दिया गया था। इसके जवाब में कहा गया था कि अगर शशिकला ने जुमार्ना नहीं भरा तो रिहाई की संभावनाएं फिर 27 फरवरी 2022 को होगी। अधिकारी ने आगे कहा कि यदि शशिकला पैरोल की सुविधा का इस्तेमाल करें तो रिहाई की संभावित तारीख बदल सकती है। साथ ही कहा गया था कि 10 करोड़ रुपये का जुमार्ना नहीं देने के चलते उन्हें फिलहाल और 13 महीनों तक जेल में रहना पड़ सकता है। ज्ञात रहे कि सुप्रीम कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में 14 फरवरी 2017 को शशिकला को दोषी ठहराने को बरकरार रखा था। शीर्ष अदालत ने इस मामले में उन्हें और उनके रिश्तेदारों को चार वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। निचली अदालत ने सितंबर 2014 में उन्हें सजा सुनाई थी। इन दिनों जेल की सजा काट रही हैं। बीच में कुछ ऐसी भी खबरें आईं थीं कि उन्हें जेल में विशेष सुविधाएं मिल रही हैं। हालांकि, जेल प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।

असम के मुख्यमंत्री ने कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए लॉन्च की किसान रथ मोबाइल ऐप

गुवाहाटी, एएनआइ। असम के मुख्यमंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने मंगलवार को राज्य में आयोजित एक कार्यक्रम में क्रेता-विक्रेता नेटवर्क को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादों की समय पर बिक्री की सुविधा के लिए किसान रथ (फल और सब्जियां) मोबाइल ऐप लॉन्च किया। गुवाहाटी में प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित, डिजाइन और तकनीकी रूप से बनाए गए ऐप को असम एग्रीबिजनेस एंड रूरल ट्रांसफॉर्मेशन (APART) परियोजना द्वारा जमीन पर लागू किया जाएगा, जो ऐप का उपयोग करने पर किसानों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करेगा। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ऐप असमिया, हिंदी और अंग्रेजी में चलाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री सोनोवाल ने कहा कि ऐप असम के किसानों के लिए देश भर में बाजार खोलकर उनकी उपज

का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए कृषि-व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए एक नया वाहन होगा

ऐप किसानों को आज के प्रतिस्पर्धी बाजार में दृढ़ता से उभरने में मदद करेगा और नाशपाती फल और सब्जी के उत्पादकों के लिए एक वरदान के रूप में साबित होगा क्योंकि यह उनकी उपज के अपव्यय में मौलिक कमी लाएगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जब से पदभार ग्रहण कर रहे हैं।

किसानों की आय को दोगुना करने के लिए काम करना। उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे पीएम किसान सम्मान निधि, कृषि सिचाई योजना, फासल बीमा योजना, केसीसी ने देश में कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है और कृषि को एक गरिमामयी कॉलिंग बनाया है। कृषि, बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि कोरोना वायरस प्रेरित देशव्यापी तालाबंदी के दौरान किसानों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा और भारी नुकसान उठाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि हालांकि, पहले 70 दिनों के बंद के दौरान, असम के किसानों ने असम के भीतर और 357 करोड़ रुपये के बाहर की सब्जियां बेचीं और 5000 से अधिक किसानों ने सीधे विक्रेताओं के रूप में काम किया, जिससे राज्य में नए किसानों के बाजारों को उभरने में मदद मिली।

चीन से तनाव के बीच राजनाथ सिंह बोले, स्वदेशी रक्षा क्षमता का विकास स्थायी शांति की नींव

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच तनावपूर्ण गतिरोध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है और उसका मानना है कि स्वदेशी रक्षा क्षमता 'स्थायी शांति' की नींव है। आगामी एयरो इंडिया प्रदर्शनी पर विदेशी राजदूतों के समूह को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए सिंह ने भारत को अहम सैन्य हथियार व प्रणालियों का उत्पादन केंद्र बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न सुधारों का जिक्र भी किया।

उन्होंने कहा, हम शांतिप्रिय देश हैं। हम दुनियाभर में शांति एवं स्थायित्व के लिए कटिबद्ध हैं। हम इस विश्वास के लिए प्रतिबद्ध हैं कि आत्मनिर्भरता और स्वदेशी रक्षा क्षमता स्थायी शांति की नींव है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार इस ऑनलाइन सम्मेलन में 75 से अधिक देशों के राजदूतों, मिशन प्रमुखों और रक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया। भारत को रक्षा सामग्री निर्माण के क्षेत्र में निवेश के लिए आकषर्षक स्थल के रूप में पेश करते हुए रक्षा मंत्री ने कहाकि इस दुनिया को और सुरक्षित, शांतपूर्ण और समृद्ध स्थान बनाने के लिए आपस में हाथ मिलाना होगा। हमें अपना स्वाभाविक गठबंधन बनाने की राह में आने वाली रुकावटों को दूर करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारत रक्षा एवं एयरोस्पेस के क्षेत्र में दुनिया के पांच शीर्ष देशों में आने के लिए दृढ़संकल्पित है। भारत दुनिया के उन चंद देशों में से एक है जो चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान, परमाणु पनडुब्बी, मुख्य युद्धक टैंक और अंतरमहाद्वीय बैलेस्टिक मिसाइलें बनाता है। राजदूतों से अपने--अपने देशों के रक्षा विनिमार्ताओं एवं नीति निमार्ताओं को एयरो इंडिया में शिरकत करने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस उद्योग के लिए यह कार्यक्रम कारोबारी संभावनाओं को खंगालने के लिए अहम मंच है।

एशिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस प्रदर्शनी समझा जाने वाला एयरो इंडिया अगले साल 3 से 7 फरवरी के दौरान बेंगलुरु में होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम भारत को रक्षा और एयरोस्पेस उद्योगों में शीर्ष 5 देशों में बनाना चाहते हैं। इसके जरिए डिजाइन से लेकर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ उत्पादन, आत्मनिर्भरता और अन्य मैत्रीपूर्ण देशों की मांगों के उद्देश्य को पूरा किया जाएगा।

बांबे हाई कोर्ट से रिया चक्रवर्ती को मिली बेल लेकिन पुलिस स्टेशन में देनी होगी हाजिरी

मुंबई, एएनआइ। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को बड़ी राहत मिली है। बांबे हाई कोर्ट से रिया चक्रवर्ती को एक लाख के निजी मुचलके पर जमानत मिल गई है। हालांकि रिया के भाई शौविक की जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। रिया करीब एक महीने से ठउढर ऐक्ट के तहत भायखला जेल में बंद थीं। एनसीबी ने रिया से लंबी पूछताछ के बाद 9 सितंबर को गिरफ्तार किया था। हाई कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती को सर्शत जमानत दी है। कोर्ट ने कहा है कि जमानत के बाद 10 दिनों तक रिया को पुलिस स्टेशन में हाजिरी देनी होगी। वह कोर्ट के आदेश के बिना विदेश नहीं जा सकती हैं, उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराना होगा। रिया के साथ कोर्ट ने सैमुअल मिरांडा और दीपेश सावंत को भी जमानत दी है, लेकिन शौविक के साथ अब्दुल बासित की

जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। बता दें कि मंगलवार को ही विशेष अदालत ने रिया चक्रवर्ती और उसके भाई शौविक की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया था। विशेष सरकारी वकील अतुल सपार्डे ने बताया कि एनडीपीएस अदालत ने दोनों को 20 अक्टूबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। विशेष अदालत इससे पहले रिया और उसके भाई की जमानत याचिका खारिज कर चुकी है। इसके बाद उन्होंने जमानत के लिए बांबे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा रिया के मोबाइल फोन से हासिल चैटिंग साझा किए जाने के बाद एनसीबी ने इस मामले की जांच शुरू की थी। ड्रग चैट सामने आने के बाद एनसीबी ने दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर और करिश्मा प्रकाश से पूछताछ कर चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय सुशांत मामले से जुड़े मनी लांड्रिंग के आरोपों की जांच कर रहा है।

कोरोना के कारण एनसीएलएटी ने कोर्ट का कामकाज रोका, कई कर्मचारी पाए गए पॉजिटिव

नई दिल्ली, प्रेट्र। राष्ट्रीय कंपनी लॉ अपीलीय ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने वर्चुअल सुनवाई और फाइलिंग समेत कोर्ट के सभी कामकाज निलंबित कर दिए हैं। अपने कुछ कर्मचारियों के कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद एनसीएलएटी ने यह कदम उठाया है। एनसीएलएटी के रिकार्ड सेक्शन में काम करने वाला एक कर्मचारी 30 सितंबर को पॉजिटिव पाया गया था। एनसीएलएटी परिसर को सैनिटाइज कराने के लिए एक अक्टूबर को कामकाज निलंबित करना पड़ा था। जजों और अन्य कर्मचारियों के लिए जांच कराना जरूरी हो गया था।

जांच के बाद और चार कर्मचारी चार अक्टूबर को पॉजिटिव पाए गए। इनमें से तीन रिकार्ड सेक्शन के हैं।रजिस्ट्रार की ओर से चार अक्टूबर को जारी एनसीएलएटी अधिसूचना में कहा गया है, 'अब एक नया सैनिटाइजेशन, डिसइन्फेक्शन कराया जाएगा। पीठ के सामने रखने के पहले रिकार्ड रूम में रखे रिकार्ड को भी सैनिटाइज और डिसइन्फेक्शन कराना जरूरी है।

भारत के खिलाफ चीन-पाक की बड़ी साजिश का खुलासा सीमा के पास मिसाइल साइट्स का निर्माण

नई दिल्ली, आइएएनएस। भारत के खिलाफ चीन और पाकिस्तान की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि पाकिस्तान गुलाम कश्मीर में चीन की मदद से सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट्स को स्थापित कर रहा है। इस सैन्य ढांचे को स्थापित करने के लिए भारत-पाकिस्तान सीमा के पास विवादित क्षेत्र को तलाश रही है।

भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने सोमवार को कहा था कि पाकिस्तान और चीन ने हाल के दिनों में अपने द्विपक्षीय अभ्यास बढ़ाए हैं। अपनी सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायुसेना प्रमुख ने

कहा कि भारत इस पर करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने एक साथ दो मोर्चे की लड़ाई के खतरे को लंबे समय तक झेला है। विवादित सीमाओं पर एक ही समय में सक्रिय रहे चीन और पाकिस्तान से निपटने के लिए भारत ने अपने सशस्त्र बलों को अधिकतम क्षमता तक उपयोग किया है।

एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की टुकड़ियों को पाकिस्तान के 12 इंफैन्ट्री ब्रिगेड के साथ पीओके के देओलियन और जुरा के आगे के क्षेत्रों में साथ-साथ टोह लेते देखा गया था।' अधिकारी ने बताया कि सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल रक्षा प्रणाली की स्थापना के लिए पीओके में लसाडना ढोक के पास पाउली पीर में पाकिस्तान सेना और पीएलए मिलकर निर्माण कार्य चला रहे हैं। पाकिस्तान सेना के करीब 120 जवान जवान और 25 से 40 नागरिक निर्माण स्थल पर काम कर रहे हैं।

सूत्र ने कहा कि इस सिस्टम का कंट्रोल रूम पीओके के मुख्यालय में स्थित होगा। तीन अधिकारियों सहित दस पीएलए सैनिकों को नियंत्रण कक्ष में तैनात किया जाएगा। सूत्र ने कहा कि पीओके के हटियन बाला जिले के चिनार गांव और चकोठी गांव में भी इसी तरह के निर्माण की सूचना मिली है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज गुरूवार, 8 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

अन्तरजनपदीय स्थानान्तरण की प्रक्रिया पूर्ण करने को तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्, प्रयागराज के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने प्रदेश के समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को परिषद् के अधीन संचालित विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों के शैक्षिक सत्र 2019-20 में किये गये अन्तर जनपदीय स्थानान्तरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के सम्बन्ध में निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि कुछ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया है कि निर्धारित समय में आवेदन पत्र को रिसेट किये जाने की कार्यवाही पूर्ण नहीं हो सकी है। जिसके लिए पुनः अवसर दिये जाने की मांग की गयी है। जिस पर उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि विभागीय कार्यों में शिथिलता बरती जा रही है। जिन जनपदों द्वारा शासनादेश 21 सितम्बर 2020 में निर्धारित समय के अनुसार अन्तर जनपदीय स्थानान्तरण की कार्यवाही पूर्ण नहीं की जा सकी है, उनके द्वारा सम्बन्धित अध्यापक-अध्यापिका का डाटा रिसेट करते हुए वांछित संशोधनोपरान्त आवेदनों को सत्यापित कर लॉक किये जाने की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु समय निर्धारित किया गया है। सचिव ने बताया कि इसके अंतर्गत जनपदीय समिति के निर्णयोपरान्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्बन्धित अध्यापक का डाटा रिसेट करते हुए अध्यापक-अध्यापिका हेतु संशोधन के लिए उपलब्ध कराये जाने की तिथि 07 से 10 अक्टूबर है। अध्यापकों द्वारा अपने आवेदन में वांछित संशोधनपरांत आवेदन पूर्ण करने हेतु 11 से 13 अक्टूबर तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जनपदीय समिति के निर्णयोपरान्त अंतिम रूप से सबमिट किये गये आवेदनों को सत्यापित करते हुए लॉक किये जाने की तिथि 14 से 15 अक्टूबर है। परिषद् कार्यालय द्वारा यूएटी (यूजर एक्सेप्टेंस टेस्ट) की तिथि 16 से 17 अक्टूबर निर्धारित है।

एनएच-30 पर ट्रक और श्रद्धालुओं से भरे ट्रैक्टर की जोरदार भिड़ंत

विपरीत दिशा में जा रहा था ट्रक, आधा दर्जन श्रद्धालु घायल, ट्रक का टायर भी फटा

शंकरगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग- 30 पर नारीबारी के पास गलत दिशा में जा रहे ट्रक और ट्रैक्टर में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर व ट्रक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक का एक टायर भी फट गया। इस हादसे में करीब आधा दर्जन श्रद्धालु चोटिल हुए हैं।यह हादसा थाना शंकरगढ़ की पुलिस चौकी नारीबारी क्षेत्र में हुआ। बताया जाता है कि मंगलवार रात्रि दस बजे के बाद टैक्टर ड्राइवर राकेश पुत्र मुन्नी लाल निवासी त्योंथर, रींवा, मध्य प्रदेश अपने टैक्टर ट्राली में करीब 40-45 लोगों के साथ प्रयागराज से निशान चढ़ाकर वापस आ रहा था। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर, सुरवल साहनी मोड़ तालाब के पास चाकघाट की तरफ से उल्टी दिशा में जा रहे ट्रक से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत होते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की निकालने में लग गए। इसी दौरान प्रयागराज से वापस घर लौट रहे दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने हादसा

हादसे में क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर व जमा भीड़

देख घायलों को निकलवाया और चौकी प्रभारी नारीबारी जगदीश कुमार को सूचना दी। मौके पर तत्काल चौकी प्रभारी पहुंचे और घायलों को एम्बुलेंस के द्वारा निजी अस्पताल भेजवाया। घायलों में बच्चे, बुजुर्ग, महिला भी शामिल हैं।ट्रक का अगला टायर फटने के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से भागने में सफल रहा। सभी सवारियां निशान चढाकर प्रयागराज से वापस जा रही थीं।

हाईकोर्ट समाचार

फर्जी डिग्री के आरोप में अध्यापक की बर्खास्तगी व वेतन वसूली आदेश पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बी.आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के बीएड की फर्जी मार्कशीट व डिग्री के आधार पर टीचर की नियुक्ति रद्द करने व वेतन भुगतान की वसूली आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने राज्य सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने सचवरा प्राइमरी स्कूल कौशाम्बी के सहायक अध्यापक राजेश कुमार शुक्ल की याचिका पर दिया है। याची अधिवक्ता का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर गठित एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर हजारों ऐसे अध्यापकों को बर्खास्त कर दिया गया। जिनकी बीएड की फर्जी डिग्री के आरोप हैं। वर्ष 2005 में आगरा विश्वविद्यालय से हजारों छात्रों ने बीएड की डिग्री हासिल की है। याची का कहना है कि ऐसी ही कई याचिकाएं व विशेष अपील पर कोर्ट ने राहत दी है। जिसके आधार पर कोर्ट ने याची को भी राहत दी है। याचिका अन्य लंबित याचिका के साथ सुनी जायेगी।

हाथरस कांड के पीड़ितों को सुरक्षा व मुआवजा की मांग में आठ को सुनवाई

प्रयागराज। हाथरस कांड की जांच सीबीआई से कराने, पीड़ित परिवार को मुआवजा और सुरक्षा देने आदि मांगों को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका हाईकोर्ट लखनऊ बेंच में प्रैक्टिस कर रही अधिवक्ता मंजूषा भारती ने दाखिल की है। याचिका पर न्यायमूर्ति एमएन भंडारी और न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की पीठ में सुनवाई हुई। अपर शासकीय अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि ठीक इन्हीं मांगों को लेकर सुप्रीमकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई है। सुप्रीमकोर्ट में राज्य सरकार ने सीबीआई जांच पर सहमति जताई है। सुप्रीमकोर्ट ने राज्य सरकार से पीड़ितों की सुरक्षा और मुआवजे आदि मुद्दों पर भी जानकारी मांगी है। इसके बाद कोर्ट ने याचिका को सुनवाई के लिए आठ अक्टूबर को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

घरेलू कलह से आजिज आकर युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान, मचा रहा कोहराम

नवाबगंज। घरेलू कलह से आजिज आकर एक युवक ने बुधवार की भोर घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब परिजन कमरे में युवक को फांसी के फंदे पर लटकता देखा, तो कोहराम मच गया। परिजन की चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। उधर सूचना पाकर पुलिस गांव पहुंची और शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना नवाबगंज के मंसूराबाद निकट सम्हई गांव की है।

नवाबगंज सम्हई मजरा लीला का पुरा गांव निवासी राम कुमार (32) पुत्र श्रीराम घर पर रहकर

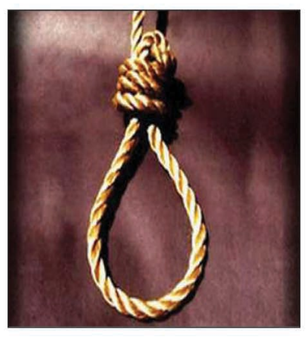

मजदूरी करता था। बताया जाता है कि घरेलू कलह के चलते वह काफी परेशान चल रहा था। मंगलवार को राम कुमार एवं उसकी पत्नी मीना देवी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद बुधवार की भोर में वह घर के कमरे में फांसी के फंदे पर झूलकर जान दे दी। सुबह जब परिजन उसे उठाने के लिए गये, तो फांसी के फंदे पर लटकता देख रोने-पीटने लगे। परिजन के रोने-पीटने की आवाज सुनकर गांव के लोग पहुंच गये। घटना मामले की सूचना पर नवाबगंज की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस घटना मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। हालांकि मृतक परिजन ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह पिछले दिनों से मानसिक विक्षिप्त चल रहा था। जिसके चलते वह खुद फांसी लगाकर कमरे में जान दे दी है। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मचा रहा।

नये कृषि विधेयक पर विपक्ष किसानों में फैला रहा भ्रम : जिला उपाध्यक्ष

प्रयागराज। केन्द्र सरकार के नये कृषि विधेयक पर विपक्षी किसानों में भ्रम उत्पन्न कर रहे हैं। जबकि इसमें किसानों को उनकी उपज के विक्रय की स्वतंत्रता प्रदान करते हुए ऐसी व्यवस्था का निर्माण है, जहां किसान एवं व्यापारी कृषि उपज मंडी के बाहर भी अन्य माध्यम से भी उत्पादों का व्यापार कर सकें। राज्य के भीतर एवं बाहर देश के किसी भी स्थान पर किसानों को अपनी उपज निर्बाध रूप से बेचने के लिए अवसर एवं व्यवस्थाएं है। मंडिया समाप्त नहीं होगी, वहां पूर्ववत व्यापार होता रहेगा।

यह बातें सरकिट हाउस में भाजपा जिला उपाध्यक्ष शोभ नारायण द्विवेदी ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने विधेयक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। कहा कि किसानों को नए प्रावधानों में अपने उत्पाद का भुगतान तीन दिनों के अंदर मिलेगा।

पत्रकारों से वार्ता करते भाजपा पदाधिकारीगण

विवाद की स्थिति में कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी। स्थानीय स्तर पर ही विवाद के निपटाने की व्यवस्था रहेगी। बारा विधायक डॉ. अजय कुमार ने कहा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने, किसानों की आय बढ़ाने एवं उनके जीवन स्तर में बदलाव लाने के उद्देश्य से सरकार का प्रत्येक कदम किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ दिलाने के लिए लिया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पूर्व की तरह निर्धारित होते रहेंगे। इन विधेयकों में सिर्फ किसानों के हितों का संरक्षण किया गया है।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रमेश पाण्डेय ने कहा कि जिनकी हम पूजा करते हैं, कांग्रेस उसे जलाने का काम कर रही है। नये विधेयक में किसान की भूमि के स्वामित्व का शत प्रतिशत संरक्षण किया गया है। देश में कुल 6946 मंडियां हैं और उन्हें ट्रांसपोर्ट से जोड़ा गया है। इसके माध्यम से किसान अपना उत्पाद कहीं भी भेज सकता है। इसके लिए पोर्टल चालू कर दिया गया है। जिसमें सारी जानकारी उपलब्ध है। लेकिन विपक्ष किसानों में भ्रान्तियां फैला रहा है।

किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 वर्ष बाद कृषि सुधार विधेयक लागू कर किसानों को विचैलियों से मुक्ति दिलाने का कार्य किया है। मोदी ने कहा था किसानों की आय दोगुनी करनी है। प्रधानमंत्री द्वारा किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा सिंह, अशोक सिंह, विधि प्रकोष्ठ के संयोजक देवेन्द्र नाथ मिश्र, भाजपा यमुनापार मीडिया प्रभारी दिलीप चतुवेर्दी सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

सफाई कर्मी पर जानलेवा हमला, सैकड़ों सफाईकर्मियों ने किया प्रदर्शन

हंड़िया। हंड़िया थाना क्षेत्र के धन केसरा गांव में एक सफाई कर्मी पर जानलेवा हमला हो गया। वही सफाई कर्मी खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सफाई कर्मी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदाबाद भिजवाया।जगुवा शोधा थाना हंड़िया निवासी विजय बहादुर पुत्र राम अवध जो सैदाबाद ब्लॉक अंतर्गत धन केसरा गांव में सफाई कर्मी पद पर नियुक्त है। बुधवार दोपहर लगभग 11 बजे के करीब वह गांव के ही एक मंदिर के पास साफ सफाई कर रहा था। इतने में गांव के ही दो दबंगों ने सफाई कर्मी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें सफाई कर्मी खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। वहीं हमले की जानकारी गांव में आग की तरह फैल गई तो सैदाबाद ब्लॉक की लगभग सैकड़ों

प्रदर्शन करते सफाईकर्मी

सफाई कर्मी मौके पर इकट्ठा हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सफाई कर्मी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदाबाद भेज दिया। सफाई कर्मी संघ के जिला अध्यक्ष देवराज यादव ने सैकड़ों सफाई कर्मी के साथ थाने में पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। फिर हाल उतराव थाने के बाहर सफाई कर्मी संघ के जिलाध्यक्ष देवराज की अगुवाई में सैकड़ों से ज्यादा सफाई कर्मियों ने दबंगों के खिलाफ हाथ उठाकर प्रदर्शन करते हुए जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने की मांग की। इस अवसर पर ओम प्रकाश, बृजेश, श्याम बिंद, रामकृष्ण, जियालाल, समर बहादुर, अवधेश केसरी, अशोक,ओम प्रकाश,चंद शेखर आदि सैकड़ों सफाई कर्मी मौजूद रहे।

रैपुरा में पंचायत भवन निर्माण में ग्रामीणो ने प्रधान पर लगाएं गंभीर आरोप

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत रैपुरा में प्रधान द्वारा बनवाये जा रहें नव निर्मित पंचायत भवन के निर्माण को लेकर ग्रामीणो ने भूमि स्थल को गलत बताते हुए तहसीलदार करछना से शिकायत कर निर्माण रोकवाऐ जाने की शिकायत की हैं। ग्रामीणो में राम चंद्र, कृष्ण मोहन, विनय कुमार, ओमप्रकाश, भोला नाथ आदि ने गांव के प्रधान पर जबरन दबंगयी के बल पर पंचायत भवन निर्माण कराने का आरोप लगाया है कि। अवैध ढंग से अपने कब्जे वाली जमीन पर पंचायत भवन निर्माण पर निर्माण करा रहा है जो पुरी तरह से अपने घर के पास पंचायत भवन निर्माण करा रहे । गामीणो के मुताबिक गांव में नवीन परती की जमीन निर्माण न कराकर अपने मकान के पास निर्माण करा रहा है ।जो पुरी तरह से गलत है, मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार करछना ने राजस्व निरीक्षक व पुलिस महकमे को निर्देश किया है कि पंचायत भवन निर्माण की भूमि विवाद का स्थलीय निरीक्षण कर कारवाई करने का निर्देश दिया गया है ।

सेवानिवृत्त कर्मचारी के मोपेड की डिग्गी से बदमाशों ने उड़ाए पचास हजार

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के आईटीआई कंपनी गेट के समीप बुधवार को एक बार फिर बाइक सवार बदमाशों ने एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को निशाना बनाते हुए मोपेड की डिग्गी से पचास हजार रुपए नकदी लेकर फरार हो गए। तीन दिनों के अंदर दूसरी बार बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली। वहीं इलाकाई पुलिस ने मामले को दबाए रखा और आला अफसरों तक को जानकारी नहीं दी।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के नेवादा समोगर गांव के रहने वाले बुजुर्ग छोटे लाल द्विवेदी वह बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक पहुंचे और अपने बचत खाते से लगभग पचास हजार रुपए निकाल कर एक बैग में रखते हुए मोपेड की डिग्गी रखकर लाक कर दिए। दोपहर बाद लगभग 2:00 वह औद्योगिक क्षेत्र के आईटीआई कंपनी गेट के समीप मां दुर्गा मंदिर के निकट एक ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचे और मोपेड वही खड़ी कर अंदर चले गए। बताया जाता है कि तभी बाइक पर सवार दो शातिर पहुंचे और आनन-फानन में मोपेड की डिग्गी में रखें रुपयों से भरे बैग लेकर फरार हो गए। यह देख लोगों ने जब शोर मचाया तो बाइक सवार बदमाश बड़ी तेज रफ्तार के साथ फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटित वारदात की जांच पड़ताल करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो बदमाशों की करतूत कैद मिली। इलाकाई पुलिस घटित वारदात को घंटों दबाए रखे और यहां तक कि अपने ही आला अफसरों को जानकारी नहीं दी। जब आला अफसरों को घटित वारदात की जानकारी हुई तो उन्होंने इलाकाई पुलिस की जमकर क्लास ली। इस संबंध में संड़वा पुलिस चौकी प्रभारी बैकुंठ नाथ पांडेय ने बताया कि भुक्तभोगी ने कोई भी तहरीर नहीं दी है। वहीं इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। जबकि करछना क्षेत्राधिकारी आईपीएस सोमेंद्र मीणा ने बताया कि आईटीआई कंपनी गेट के समीप पचास हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया हुआ है और जांच पड़ताल की जा रही है।

बता दें कि बीते तीन बता दें कि बीते 3 दिन पूर्व महुआरी गांव के रहने वाले पूर्व नायब सूबेदार के मुंह पर से बाइक सवार दो बदमाशों ने लगभग ?421000 लेकर फरार हो गए थे महज कुछ दिनों के अंदर आईटीआई कंपनी गेट के समीप दो बड़ी वारदात होने से लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रधान के पक्ष में उतरे ग्रामीण, विरोधियों के ऊपर लगाया अफवाह भ्रम फैलाने का आरोप

प्रधान के पक्ष में उतरी महिलाएं

घूरपुर। विकासखंड चाका के उभारी ग्राम प्रधान मोहम्मद मोईन के ऊपर कोटे में चयन को लेकर धांधली का आरोप लगाया गया था। और इसके लिए महिला समूह के लोगों ने धरना प्रदर्शन व एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा था। अब ग्रामीण प्रधान के पक्ष में आ गए हैं। और वह भी अब प्रधान के पक्ष में बोल रहे हैं।गांव की अनीता, सुमन, सोनी, संगीता, बंसीलाल, असरार, सावित्री बिटोला, सुमन आदि ने बताया कि गांव के कुछ विरोधी लोग यह झूठी अफवाह उड़ा रहे हैं और प्रधान के ऊपर फर्जी आरोप लगाया गया है। आरोप बेबुनियाद है और गांव में लोगों के बीच भ्रम पैदा कर चुनाव में इसका लाभ के चक्कर में हैं। प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। इस बाबत ग्राम प्रधान का कहना है कि गांव के कुछ लोग अफवाह भ्रम पैदा कर रहे हैं। और इस मामले को खींच रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने की जरूरत है। कोटे की चयन की प्रक्रिया में ब्लॉक के अधिकारी मौजूद थे। ऐसे में धांधली करने का कोई सवाल ही नहीं होता है।

प्रयागराज हलचल

प्रयागराज गुरूवार, 8 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

विज्ञान एवं तकनीकी के सम्पर्क की भाषा मातृभाषा होनी चाहियेः प्रो योगेंद्र सिंह

प्रयागराज। देश में विज्ञान एवं तकनीकी की भाषा मातृभाषा होनी चाहिए जिससे कि हम इन विषयों में मौलिक शोध कार्य कर पाए। इस विचार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अंगीकार किया है। यह बातें विद्या भारती काशी प्रांत के ह्यमाई नेप अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर बुधवार को ऑनलाइन व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि वैदिक वांग्मय में अन्तर्विषयी पढ़ाई का चलन था जो इस शिक्षा नीति में प्रस्तावित है। कविराज वैद्य होने के लिए विद्यार्थी को भाषा के साथ साथ चिकित्सा की भी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि शिक्षा नीति में उद्यमिता की संस्कृति की जरूरत पर बल दिया गया है। विशिष्ट अतिथि विद्या भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष डॉ. रघुराज सिंह ने विद्या भारती द्वारा शिक्षा नीति के जनजागरूकता के लिए चलाए जा रहे अभियानों की चर्चा की। प्रांत संयोजक डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह ने सभी प्रतिभागियों एवं वक्ता का स्वागत करते हुए ह्यमाई नेपह्ल अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से इस विषय के प्रति जागरूक बनने का आग्रह किया। व्याख्यान के समन्वयक डॉ. प्रमोद शर्मा ने अतिथियों का परिचय दिया एवं डॉ. प्रशांत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सह संयोजक डॉ. विनम्र सेन, डॉ. प्रचेतस, अब्दुल मनान एवं काशी प्रांत के सभी जिलों के विद्यालयों के प्रधानाचार्य, विद्यार्थी, विद्या भारती के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के तल्ख तेवर

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत कराये जा रहे भवन निर्माण के कार्यों को यथाशीघ्र कराये पूर्ण : जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में 37 बिन्दुओं के विकास प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की प्रगति के सम्बंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कार्यों में रूचि न लेने के कारण पैक्सफेड एवं सिडको कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबंधक के विरूद्ध शासन स्तर पर पत्राचार किए जाने के लिए कहा है। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा है कि कार्यों में लापरवाही या उदासीनता किसी भी स्तर पर क्षम्य नहीं है। कार्यों में लापरवाही या उदासीनता पाये जाने पर सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

विकास कार्यों की समीक्षा करते जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे की सूची उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के लिए कहा है। पशुधन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने समय से निराश्रित पशुओं के टीकाकरण एवं गोवंशीय पशुओं की इयर टैगिंग के कार्य को पूरा कराने के निर्देश दिये है। पंचायतीराज विभाग के द्वारा आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों एवं हैण्डपम्पों की रिवोर/मरम्मत के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने रिबोर किए गए हैण्ड पम्पों की जियो टैगिंग कराने के निर्देश दिये। खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत आधार सीडिंग एवं प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराने के लिए कहा। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना एवं वृद्धा पेंशन योजना की प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने विधवा पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, श्रम विभाग की समीक्षा में श्रमिक पंजीयन, अधिष्ठान पंजीयन एवं उपकर संग्रहण, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना की प्रगति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास के निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी-आशीष कुमार, जिला विकास अधिकारी-ए0के0 मौर्या, अर्थ संख्ययिकी अधिकारी-जितेन्द्र कुमार सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

प्रयागराज में पुलिस और शहरवासियों पर कंट्रोल रूम से रखी जाएगी नजर

प्रयागराज। प्रयागराज शहर में पुलिस को भी स्मार्ट बनाने की कवायद चल रही है। किसी अपराधिक घटनास्थल पर मोबाइल सर्विलांस युक्त गाड़ी और बॉडीवार्न कैमरे लगे सिपाहियों के पहुंचने पर आसपास का पूरा लोकेशन कंट्रोल रूम में दिखाई देगी। इससे अतिरिक्त पुलिस फोर्स आदि की जरूरत होने पर तत्काल उपलब्ध कराई जा सकेगी। पुलिस और पब्लिक की हर गतिविधियां भी रिकार्ड होती रहेंगी। यह सब व्यवस्था प्रयागराज में होगी। इसकी कवायद की जा रही है। स्मार्ट होते प्रयागराज शहर में पुलिस को भी स्मार्ट बनाने की कवायद चल रही है। पुलिस के वाहनों में एडवांस मोबाइल सर्विलांस लगाए जाएंगे। साथ ही 300 सिपाहियों और अफसरों को बॉडीवार्न कैमरे भी मुहैया कराए जाएंगे। इन व्यवस्थाओं से किसी अपराधिक घटनास्थल पर पुलिस और पब्लिक की सभी गतिविधियां इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइ ट्रिपल सी) यानी कंट्रोल रूम में रिकार्ड होती रहेंगी। इसका इस्तेमाल अफसर घटना के राजफाश करने में कर सकेंगे। वहीं, पूरे शहर में एक साथ उद्घोषणा के मकसद से 206 स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए जा रहे हैं। शहर में मुख्य चौराहों, तिराहों, बस अड्डों समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाने, पुलिस के 43 वाहनों में एडवांस मोबाइल सर्विलांस लगाने और 300 बॉडीवार्न कैमरे मुहैया कराने के लिए अशोका बिल्टकॉम एजेंसी का चयन हुआ है। एजेंसी के विशेषज्ञों की ओर से दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए जा चुके हैं।

कृषि सुधार बिल से देश के किसानों की आय होगी दुगनी : केसरी देवी पटेल

किसानों को जागरूक करने को ट्रैक्टर यात्रा

प्रयागराज। संसद के दोनों सदनों में किसान हित को दृष्टिगत रखते हुए कृषि सुधार बिल पारित होने से देश के किसानों की आय दुगनी होगी और वह समृद्धशाली होगा। किसानों को जागरूक करने हेतु ट्रैक्टर यात्रा भी निकाली गयी।

उक्त बातें फूलपुर सांसद श्रीमती केसरी देवी पटेल ने बुधवार को अपने निज आवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा भाजपा किसान मोर्चा के तत्वावधान में लालगोपालगंज से कौड़िहार तक कृषि बिल की जानकारी देते हुए किसानों को जागरूक करने हेतु ट्रैक्टर यात्रा निकालने के पूर्व व्यक्त किया। उन्होंने कृषि सुधार बिल को ऐतिहासिक बिल बताया तथा एकत्रित किसान एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज तक हमारे अन्नदाता बिचैलियों के बंधन से जकड़े हुए थे। बिचैलिए उन्हें कर्ज और उनके उत्पाद में दलाली कर-के उनका शोषण और दोहन दोनों करते थे। परंतु इस कानून ने किसानों को बिचैलियों से पूरी तरह मुक्ति दिला दी है।

किसान मोर्चा काशी क्षेत्र मंत्री प्रवीण श्रीवास्तव धन्नू भैया ने कहा कि विपक्षी दल राजनीतिक स्वार्थ हेतु मिथ्या प्रचार कर रहे हैं। केंद्र सरकार को किसानों के हित की सरकार बताते हुए कहा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्वास्थ्य हेल्थ कार्ड, पीएम किसान रैली योजना, 10 हजार एफपीओ का गठन, एमएसपी में भारी बढ़ोत्तरी कर किसानों की आय को दुगना करने का संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार प्रयासरत है। किसानों को कृषि सुधार बिल की जानकारी देते हुए कहा कि सरकारी खरीद जारी रहेगी और मंडी व्यवस्था भी जारी रहेगी साथ ही साथ किसानों को वैकल्पिक बाजार की व्यवस्था की भी सुविधा मिलेगी। यात्रा में प्रमुख रूप से जगदीश पटेल, विनोद कुमार ओझा, सांसद मीडिया प्रभारी पार्षद पवन श्रीवास्तव, पार्षद बसंत लाल जायसवाल, पार्षद शारदा पटेल, भगवती पटेल, तुलसीराम पटेल, संदीप, अजय, नीरज, चंद्रिका पटेल, विजय पटेल, भूपेंद्र पांडेय सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अन्तर्राज्यीय लूट एवं टप्पेबाजी करने वाले गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

प्रयागराज। क्राइमब्रांच एवं कोतवाली थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने अन्तर्राज्यीय लूट एवं टप्पेबाजी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए पांच सदस्यो को बुधवार दोपहर गिरफ्तार किया। टीम ने गिरोह के कब्जे से 81 हजार रूपए नगद एवं सोने की जंजीर एवं मास्टर चाबी और फर्जी दस्तावेज बरामद किया है। पकड़े लुटेरों में कानपुर नगर के कल्यानपुर थाना क्षेत्र के सीटीएस कालोनी बिठूर रोड निवासी अर्पित उर्फ मनमोहन उर्फ कछुआ, राजकीय उद्यान बस्ती कानपुर नगर निवासी अभिषेक सिंह, कासगंज जिले के सहावर थाना क्षेत्र के बढारी कला गांव निवासी गौरव सिंह परमार, एटा जनपद के जैथरा थाना क्षेत्र के महमंता जैथरा गांव निवासी राजू, उन्नाव जिले के गंगाघाट थाना क्षेत्र के गांधीनगर शुक्लागंज हालपता अतरसुइया के दरियाबाद मोहल्ले में किराए का कमरा लेकर रहता है। गौरतलब है कि अपराध नियंत्रण के तहत क्षेत्र में हो रही लूट, चेन स्नैचिंग एवं टप्पेबाजी की घटनाओं पर काबू पाने के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेठ त्रिपाठी के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की एसओजी टीम एवं कोतवाली थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने चन्द्रलोक टाकीज के समीप से उक्त गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा रहा है।

पुलिस की गिरफ्त में गिरोह के सदस्य

प्रदेश सरकार ने माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में किया है विशेष सुधार

प्रयागराज। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व और मानव को अच्छा इंसान बनाती है। शिक्षा से व्यक्ति में ज्ञान, उचित आचरण, तकनीकी दक्षता, कौशल विकास, व्यापार, व्यवसाय एवं मानसिक, नैतिक, भौतिक आध्यात्मिक सौन्दर्य उत्कर्ष का ज्ञान होता है। शिक्षा से समाज के आधारभूत नियमों, व्यवस्थाओं, समाज के प्रतिमानों एवं मूल्यों का ज्ञान होता है। शिक्षा मनुष्य के शरीर, मन, आत्मा का सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास करती है तथा अन्तर्निहित क्षमता तथा उसके व्यक्तित्व को विकसित करने वाली प्रक्रिया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने माध्यमिक शिक्षा के सुधार पर विशेष बल दिया है। सरकार का मन्तव्य है कि बच्चे स्कूलों में मात्र प्रमाण पत्र/डिग्री न प्राप्त करें बल्कि वे ज्ञान प्राप्त करें। छात्र-छात्राएं जब स्कूल कॉलेजों से ज्ञान प्राप्त करेंगे तो वे स्वतः अपने जीवन का ध्येय बनायेंगे और राष्ट्रीय विकास में सहभागी बनेंगे। प्रदेश में 2270 राजकीय, 4512 सहायता प्राप्त एवं 20840 वित्तविहीन कुल 27622 माध्यमिक विद्यालयों के माध्यम से यू0पी0 बोर्ड के अन्तर्गत कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन की व्यवस्था की जा रही है। संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 973 सहायता प्राप्त एवं 178 वित्तविहीन कुल 1151 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को संस्कृत की शिक्षा प्रदान की जा रही है। विद्यार्थियों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने, उन्हें विद्यालयों में आकर पढ़ने और वास्तविक छात्र-छात्रा द्वारा ही बोर्ड की परीक्षा दी जाय। सरकार ने इस पर बल देते हुए कक्षा 9 और कक्षा 11 में पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। इसके साथ-साथ छात्र-छात्राओं के शैक्षिक विवरणों के साथ ही उनके आधार नम्बर को भी ऑनलाइन अपलोड कराया है। प्रदेश सरकार की इस व्यवस्था से छात्र-छात्रा के फर्जी/बोगस पंजीकरण का गलत उपयोग बन्द हो गया और इस पर प्रभावी अंकुश लगा है। परीक्षा केन्द्रों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण को ऑनलाइन कर दिया।

उ0प्र0 बोर्ड की परीक्षा की सुचिता और निष्पक्षता बनाये रखने के लिए पूर्णतया नकलविहीन परीक्षा कराये जाने के उद्देश्य से प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में आयोजित कराई गई। शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार हेतु एन0सी0ई0 आर0टी0 का पाठ्यक्रम अंगीकृत किया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक स्तर देश के अन्य राज्य/राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक बोर्डों के छात्र/छात्राओं के समकक्ष हो तथा उनमें भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं का सामना करने की क्षमता विकसित हो इसलिए एन0सी0ई0 आर0टी0 द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों को अंगीकृत किया गया है। प्राचीन वैदिक गणित एवं योग भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। कई विषयों के प्रश्नपत्रों को भी कम किया गया है। छात्र-छात्राओं की अभिरूचि के अनुसार कौशल विकास हेतु व्यावसायिक शिक्षा को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। परीक्षार्थीगण अपनी परीक्षा की तैयारी विषयवार सुनियोजित तरीके से करें, इसको ध्यान में रखते हुए परीक्षा की समय सारिणी भी समय से घोषित की जाती है।

कटहरा गांव में हाथरस की घटना के गम में लोगों ने निकला कैंडल मार्च

हंडिया। जहां पूरे उत्तर प्रदेश में हाथरस की बेटी मनीषा वाल्मीकि के साथ इतना घिनौना दरिंदों ने हैवानियत का शर्मसार कर दिया वही गांव के तमाम लोगों ने हाथरस की घटना का विरोध करते हुए । उन हैवानियत को फांसी दिलाने की मांग को लेकर सरकार के प्रति विरोध प्रदर्शन।ईस हैवानियत अत्याचार को लेकर कटारा गांव में कैंडल मार्च निकाला। कटहरा से डिप्टी तिराहा से कटहरा पेट्रोल पंप तक कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में सुमित विश्वकर्मा छात्र नेता, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की अगुवाई में पूर्व प्रधान सूबेदार यादव, सतीश आदि रहे।

उमरे पर माल लदान को बढ़ाने के लिए पीओएल सीमेंट और बलास्ट लोडरों के साथ बैठक

प्रयागराज। व्यवसायिक गतिविधियां खुलने के साथ साथ, उत्तर मध्य रेलवे में माल लदान की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है और पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष के पिछले 04 महीनों जून से सितम्बर-2020 तक लगातार सकारात्मक लोडिंग दर्ज की गयी है। पिछले वर्ष की तुलना में लोडिंग प्रदर्शन में सुधार के अतिरिक्त, वर्तमान वित्त वर्ष 2020-21 के 16.94 मिलियन टन लदान के लक्ष्य को प्राप्त करने के क्रम में उत्तर मध्य रेलवे ने सितम्बर 2020 में 1.32 मिलियन टन का माल लदान किया है, जो इस माह के लक्ष्य से अधिक है। उत्तर मध्य रेलवे ने वित्त वर्ष 2020-21 में अब तक 7.20 मिलियन टन माल लदान किया है और 16.94 मिलियन टन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अक्टूबर से मार्च तक (06 महीने में) शेष 9.74 मिलियन टन अतिरिक्त लदान को प्राप्त करने हेतु प्रयासरत है। इस महत्वाकांक्षी माल लदान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चालू वित्त वर्ष के शेष भाग में, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा थोक वस्तुओं की लोडिंग को बढ़ाने और नये गैर-थोक माल यातायात पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। पीओएल (पेट्रोलियम, तेल और लुब्रीकैंट) सीमेंट, बलास्ट आदि जैसे थोक वस्तुओं की लदान की मात्रा में वृद्धि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। ज्ञात हो कि उत्तर मध्य रेलवे के कुल माल लदान का 50% से अधिक का हिस्सा सीमेंट और पेट्रोलियम उत्पादों का है। माल लदान की मात्रा बढ़ाने के लिए, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में पीओएल (पेट्रोलियम, तेल और लुब्रीकैंट), सीमेंट और बलास्ट के प्रमुख माल लोडरों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे रवि वल्लूरी और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे एमएन ओझा की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस वर्चुअल बैठक में; IOCL बाद मथुरा के प्रतिनिधि, HPCL रसूलपुर गोगामऊ, डायमंड सीमेंट परीछा, एल एंड टी सीमेंट चुनार, प्रमुख बलास्ट लोडर आदि ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया, इसके अतिरिक्त उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय से मुख्य माल यातायात प्रबंधक, उमरे मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/ माल विपणन, उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/ माल विपणन और तीनो मण्डलों के वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक उपस्थित थे।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक
स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

पोषण और कोरोना जागरूकता दस दिवसीय प्रचार अभियान हुआ संपन्न

प्रयागराज। सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय लोक सम्पर्क ब्यूरो प्रयागराज द्वार पोषण माह के दौरान पौष्टिक आहार को बढ़ावा देने और कोविड-19 के संक्रमण को रोकने लिए चलाया गया दस दिवसीय प्रचार अभियान बुधवार को सम्पन्न हो गया। इस दस दिवसीय जागरूकता प्रचार अभियान का शुभारम्भ 28 सितम्बर, 2020 को स्थानीय सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल द्वारा किया गया था। कार्यक्रम के दौरान प्रादेशिक लोक संपर्क ब्यूरो लखनऊ के संयुक्त निदेशक सुनील कुमार शुक्ल व दूरदर्शन के प्रतिनिधि राजीव कुमार सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित रहे। दस दिवसीय जागरूकता प्रचार अभियान के दौरान सचल प्रदर्शनी वाहन के साथ माइकिंग, आमजन को हैण्डबिल का वितरण, शहर के प्रमुख-प्रमुख चैराहों व सार्वजनिक स्थलों पर संदेशमूलक बैनर तथा कलर पोस्टर को चस्पा कर आम जन को जागरूक किया गया। साथ ही आमजन से अपील की गयी कि कोरोना से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ सामाजिक दूरी का पालन करना है और साफ सफाई का पूरा ध्यान रखना है। जब भी घर से बाहर निकले तो फेस कवर/मास्क लगाना न भूलें। खांसते या छींकते समय अपनी नाक या मुंह को रुमाल या टिशू पेपर से ढकना न भूलें। आयुष मंत्रालय द्वारा बताये गये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय को अपनाकर हम कोरोना संक्रमण से जीत सकते हैं।

पोषण और कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए

जागरूकता प्रचार अभियान म्योहाल चैराहा, कचेहरी, बैंक रोड, कटरा, मम्फोर्डगंज, प्रयाग स्टेशन, राजापुर, अशोक नगर, न्यु कैट, बहुगुण मार्केट, सदर बाजार, एजी आफिस चैराहा, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक रसूलाबाद, राजकीय क्षयरोग चिकित्सालय तेलियरगंज, शांतिपुरम, फाफामऊ बाजार, बालसन चैराहा, फतेहपुर बिछुआ, टैगोर टाउन, अल्लापुर, भारद्वाज पुरम, अलोपीबाग, झूंसी, दारागंज, सोहबतियाबाग, हनुमान मंदिर, संगम क्षेत्र, नैनी ब्रिज, कीडगंज, रामबाग, मेडिकल चैराहा, मनमोहन पार्क, सिविल लाइन, बस अड्डा, बिग बाजार, सुभाष चैराहा, पत्थर गिरजाघर चैराहा, हाई कोर्ट चैराहा, नगर निगम चैराहा, पीवीआर, बाल्मीकि चैराहा, बिजली घर, पानी की टंकी चैराहा, चैफटका ब्रिज, सुलेम सरांय, प्रीतम नगर, मुंडेरा मंडी, धूमनगंज, जानसेनगंज, शाहगंज, नखासकोना, खुल्दाबाद, करेली, मीरापुर, दरियाबाद, कल्याणी देवी, करबला तिरहा, लूकरगंज, चकिया, राजरूपपुर, कालिन्दीपुरम, झलवा, बघाड़ा, कर्नलगंज आदि स्थानों पर चलाया गया।

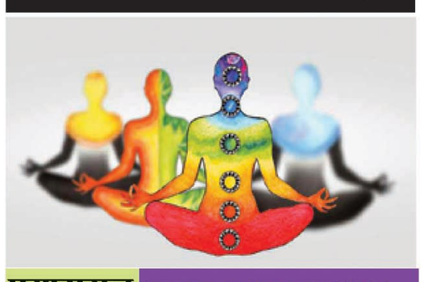

प्रयागराज गुरूवार, 8 अक्टूबर, 2020

क्रियायोग सन्देश

गुरु की आज्ञा सुनते ही निकल पड़े क्रियायोग के विश्वव्यापी प्रचार-प्रसार में

परमहंस योगानंद द्वारा एक योगी की आत्मकथा के अंश - अध्याय ३७

मृत्युंजय महावतार बाबाजी की योजन

मैं अपने गुरुदेव और अपने प्रिय मातृभूमि को छोड़कर अमेरिका की अनजान भूमि में जाने की तैयारियाँ कर रहा था, तो मेरा हृदय आशंकाओं से भरा था। मैंने भौतिकवादी पाश्चात्य जगत के बारे में अनेक कहानियाँ सुन रखी थीं। वह जगत युग-युगों से संतों के वास्तव्य से पुनीत हुई भारतभूमि से इतना भिन्न लग रहा था।

मैं सोच रहा थाः 'पाश्चात्य वातावरण में प्रवेश करने की जोखिम उठाने वाले परवात्य गुरु को हिमालय की ठंड सह पाने से भी अधिक कठोर परिस्थितियों का सामना कर रहेने के लिये तैयार रहना चाहिये!'

एक दिन प्रातः काल मैं इस दृढ़ संकल्प के साथ प्रार्थना करने बैठ गया कि भले ही प्रार्थना करते-करते मैं मर क्यों ना जाऊँ, पर जब तक ईश्वर की आवाज नहीं सुनूँगा तब तक प्रार्थना बंद नहीं करूँगा। मैं ईश्वर से आशीर्वाद एवं आश्वासन चाहता था ताकि मैं पश्चिम के आधुनिक भौतिकवाद और व्यवहारिक उपयोगितावाद कि कोहरे में कहीं खो ना जाऊँ। अमेरिका जाने का तो संकल्प मेरे मन में कर ही लिया था पर साथ ही ईश्वर की अनुभूति और आश्वासन-वाणी सुनने के लिए वह और भी अधिक कृत संकल्प था। बार-बार पूछने वाली सिसकियों को दबाकर रखते हुए मैं प्रार्थना करता ही रहा, करता ही रहा। कोई उत्तर नहीं। मध्याह्न होते-होते प्रार्थना की उत्कृष्टता पराकाष्ठा पर पहुँच गयी। तीव्रता की वेदना के दबाव से मेरा सिर चकराने लगा। ऐसा लग रहा था कि अब अपनी आंतरिक उत्कृष्टता को और अधिक बढ़ाकर एक बार भी यदि रोया, तो मेरा सिर फट जायेगा।

ठीक उसी क्षण गड़पार रोड पर स्थित मेरे घर के दरवाजे पर दस्तक सुनायी दी। जब मैंने दरवाजा खोला तो देखा की सन्यासियों की तरह केवल एक कटीवस्त्र धारण किया हुआ एक युवक वहाँ खड़ा है। उसने घर में प्रवेश किया। 'ये अवश्य ही बाबाजी होंगे!' स्तब्ध होकर मैं सोच रहा था क्योंकि मेरे सामने खड़े उस व्यक्ति का चेहरा लाहिड़ी महाशय जैसा ही दिख रहा था। मेरे मन में उठे इस विचार का उन्होंने उत्तर दे दिया। 'हाँ, मैं बाबाजी हूँ।' वे अत्यंत मधुर आवाज में हिंदी में बोल रहे थे। 'हम सबके परमपिता ने तुम्हारी प्रार्थना सुन ली है। उन्होंने मुझे तुम्हें यह बताने का आदेश दिया हैः अपने गुरु की आज्ञा का पालन करो और अमेरिका चले जाओ। डरो मत; तुम्हारा पूर्ण संरक्षण किया जायेगा।'

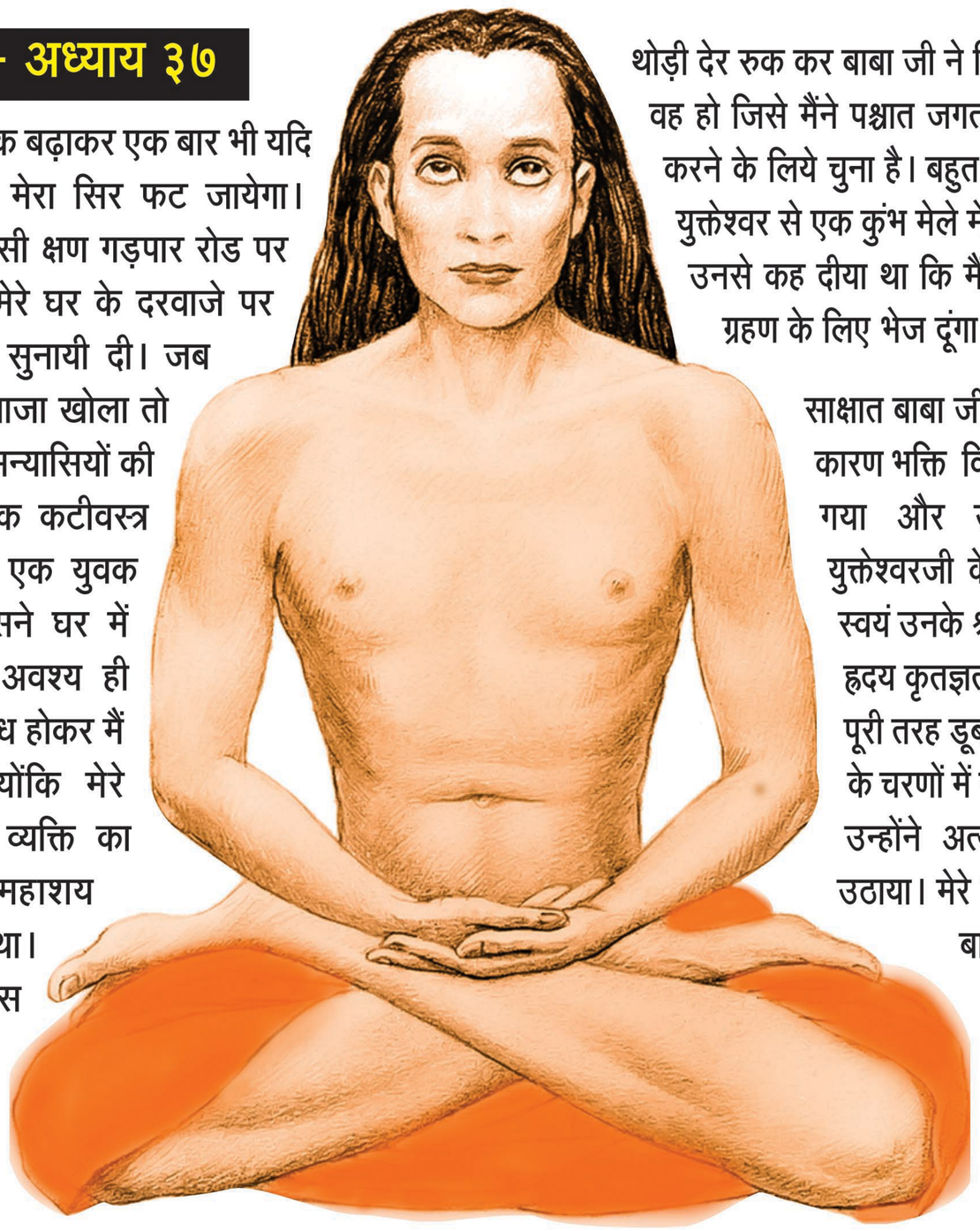

थोड़ी देर रुक कर बाबा जी ने फिर मुझसे कहाः 'तुम ही वह हो जिसे मैंने पश्चात जगत मैं क्रियायोग का प्रसार करने के लिये चुना है। बहुत वर्ष पहले मैं तुम्हारे गुरु युक्तेश्वर से एक कुंभ मेले में मिला था और तभी मैंने उनसे कह दीया था कि मैं तुम्हें उनके पास शिक्षा ग्रहण के लिए भेज दूंगा।'

साक्षात बाबा जी के सामने खड़ा होने के कारण भक्ति विभोर होकर मैं आवाक् हो गया और उन्होंने ही मुझे श्री युक्तेश्वरजी के पास पहुँचाया था यह स्वयं उनके श्रीमुख से सुनकर तो मेरा हृदय कृतज्ञता एवं प्रेमादर की बाढ़ में पूरी तरह डूब गया। मृत्युंजय परमगुरु के चरणों में मैंने साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने अत्यंत प्रेम के साथ मुझे उठाया। मेरे जीवन के बारे में अनेक बातें बताने के बाद उन्होंने मुझे कुछ व्यक्तिगत उपदेश दिये और कई गोपनीय भविष्यवाणियां की।

अंत में उन्होंने गंभीरता के साथ कहाः 'ईश्वर-साक्षात्कार की वैज्ञानिक प्रणाली क्रियायोग अन्ततः सब देशों में प्रसार हो जायेगा और मनुष्य को अनन्त परमपिता का व्यक्तिगत इंद्रियातीत अनुभव कराने के द्वारा यह राष्ट्रों के बीच सौमनस्य-सौहार्द्र स्थापित कराने में सहायक होगा।'

THE WORLDWIDE SPREAD OF KRIYAYOGA

as planned By Immortal Master MahavatarBabaji

Autobiography of a Yogi by Paramahansa Yogananda – Chapter 37

As I went about my preparations to leave Master and my native land for the unknown shores of America, I experienced not a little trepidation. I had heard many stories about the materialistic Western atmosphere, one very different from the spiritual background of India, pervaded with the centuried aura of saints. "An Oriental teacher who will dare the Western airs," I thought, "must be hardy beyond the trials of any Himalayan cold!"

One early morning, I began to pray, with an adamant determination to continue, to even die praying, until I heard the voice of God. I wanted His blessing and assurance that I would not lose myself in the fogs of modern utilitarianism. My heart was set to go to America, but even more strongly was it resolved to hear the solace of divine permission.

I prayed and prayed, muffling my sobs. No answer came. My silent petition increased in excruciating crescendo until, at noon, I had reached a zenith; my brain could no longer withstand the pressure of my agonies. If I cried once more with an increased depth of my inner passion, I felt as though my brain would split. At that moment, there came a knock outside the vestibule adjoining the Gurpar Road room in which I was sitting. Opening the door, I saw a young man in the scanty garb of a renunciate. He came in, closed the door behind him and, refusing my request to sit down, indicated with a gesture that he wished to talk to me while standing.

"He must be Babaji!" I thought, dazed, because the man before me had the features of a younger Lahiri Mahasaya.

He answered my thought. "Yes, I am Babaji." He spoke melodiously in Hindi. "Our Heavenly Father has heard your prayer. He commands me to tell you: Follow the behests of your guru and go to America. Fear not; you will be protected."

After a vibrant pause, Babaji addressed me again. "You are the one I have chosen to spread the message of Kriya Yoga in the West. Long ago I met your guru Yukteswar at a Kumbha Mela; I told him then I would send you to him for training."

I was speechless, choked with devotional awe at his presence, and deeply touched to hear from his own lips that he had guided me to Sri Yukteswar. I lay prostrate before the deathless guru. He graciously lifted me from the floor. Telling me many things about my life, he then gave me some personal instruction, and uttered a few secret prophecies...

"Kriya Yoga, the scientific technique of God-realization," he finally said with solemnity, "will ultimately spread in all lands, and aid in harmonizing the nations through man's personal, transcendental perception of the Infinite Father."